ग्रेनो को दिल्ली से जोड़ने के लिए नया 'मेट्रो प्लान'

अमर उजाला ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। मेट्रो की एक्वा लाइन से ग्रेटर नोएडा की तस्वीर बदलने की उम्मीद थी। लेकिन चार माह के नतीजों से सिर्फ निराशा ही मिली है। दिल्ली से सीधी कनेक्टिविटी न होना इसकी बड़ी वजह है। इसके चलते ग्रेनो प्राधिकरण ने अब मेट्रो का नया प्लान तैयार किया है। सेक्टर-142 को ओखला पक्षी विहार से जोड़ा जाएगा। इससे ग्रेनो सीधे दिल्ली से जुड़ जाएगा। इससे वहां बसावट भी बढ़ जाएगी और नोएडा-ग्रेनो मेट्रो का घाटा भी दूर होगा।

बीती 25 जनवरी से नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो का संचालन हो रहा है। मेट्रो से सफर करने वालों को नोएडा से ग्रेनो पहुंचने में करीब 50 रुपये किराया देकर 50 मिनट का ही समय लग जाता है। जबकि बस से पहुंचने में 27 रुपये और 30 से 35 मिनट का समय लगता है। नोएडा-ग्रेनो मेट्रो की सिटी सेंटर तक आने वाली दिल्ली मेट्रो से कनेक्टिविटी न होने के कारण लोग इसके सफर से बचते हैं। इसे देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने प्रस्ताव बनाया है कि सेक्टर-142 से ओखला पक्षी विहार तक मेट्रो चलाई जाए। इससे ग्रेनो तक सफर करने वालों को लंबे रूट पर थकान भरे सफर से निजात मिल जाएगी। प्राधिकरण प्रस्ताव को आगामी बोर्ड बैठक में रखेगा। वहां से प्रस्ताव एनएमआरसी भेजा जाएगा। हालांकि, नोएडा प्राधिकरण ने करीब 5 साल पहले ही इसकी डीपीआर बनवा रखी है। इसके अनुसार इस रूट की कुल लंबाई करीब 11 किलोमीटर होगी और 6 मेट्रो स्टेशन बनेंगे। सेक्टर-94 से इस रूट की शुरुआत होगी।

इसके बाद सेक्टर-125, 98, 108 और 91 के बाद सेक्टर-142 आखिरी स्टेशन होगा। इसी डीपीआर पर ये मेट्रो आगे बढ़ेगी या फिर नई डीपीआर बनेगी, यह तय होना बाकी है। ग्रेनो प्राधिकरण का मानना है कि नए रूट के बनने से दिल्ली से सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी, जिससे यात्रियों का समय और किराया बचेगा। वहीं, लोगों के सफर से नोएडा-ग्रेनो मेट्रो का घाटा भी दूर हो सकेगा।

वर्तमान रूट पर अधिक समय और किराये से प्रभावित हो रहा सफर

घाटे से उबारने को ग्रेनो की एक और पहल, बोर्ड बैठक में रखा जाएगा प्रस्ताव

11
किमी होगी रूट की लंबाई

06
मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे

आगामी बोर्ड बैठक में इस रूट के दिल्ली से कनेक्टिविटी के लिए प्रस्ताव रखा जाएगा। इसके बाद फिजिबिलिटी रिपोर्ट के लिए एनएमआरसी से बात की जाएगी। - नरेंद्र भूषण, सीईओ, ग्रेटर नोएडा